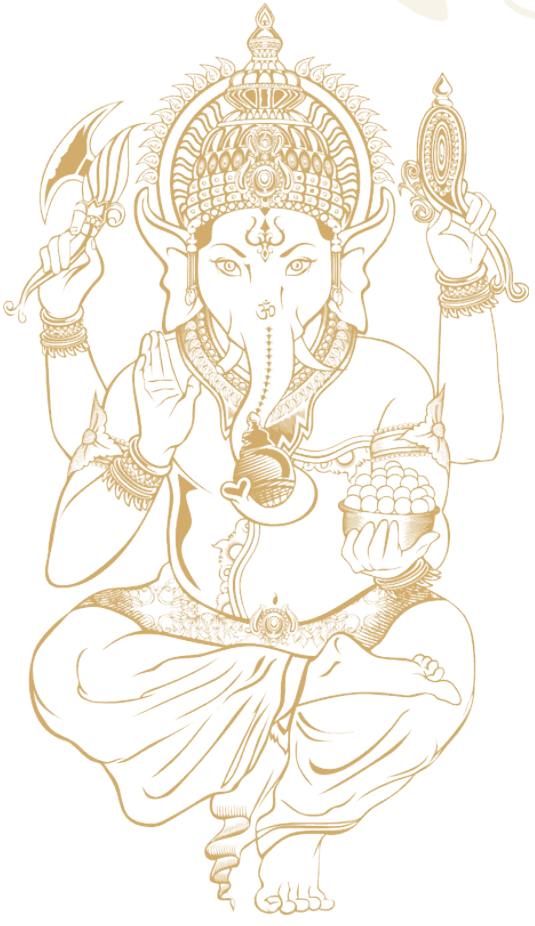

Mr. Shriyank

Ms.surbhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121049103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1995	जन्म तिथि	5-06/09/1998
शुक्रवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 17:17:00	जन्म समय	00:00:01 घंटे
घटी 27:49:40	जन्म समय(घटी)	45:22:25 घटी
India	देश	India
Katni	स्थान	Alwar
23:47:00 उत्तर	अक्षांश	27:32:00 उत्तर
80:29:00 पूर्व	रेखांश	76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:04	स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:07	सूर्योदय	06:04:15
18:19:56	सूर्यास्त	18:40:09
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 10मा 24दि	25:53:37	सिंह	लग्न	वृष	28:30:32	राहु 14वर्ष 0मा 16दि
मंगल	09:34:42	मीन	सूर्य	सिंह	19:09:10	गुरु
16/02/2024	18:03:57	धनु	चंद्र	कुंभ	09:35:46	22/09/2012
16/02/2031	19:22:20	कर्क व	मंगल	कर्क	16:22:25	22/09/2028
मंगल 15/07/2024	20:53:53	कुंभ	बुध	सिंह	02:30:09	गुरु 10/11/2014
राहु 02/08/2025	21:29:21	वृश्चि	गुरु व	मीन	00:34:47	शनि 23/05/2017
गुरु 09/07/2026	01:45:16	कुंभ	शुक्र	सिंह	04:52:54	बुध 29/08/2019
शनि 18/08/2027	23:27:44	कुंभ	शनि व	मेष	09:24:40	केतु 04/08/2020
बुध 14/08/2028	12:16:05	तुला व	राहु व	सिंह	07:39:34	शुक्र 05/04/2023
केतु 10/01/2029	12:16:05	मेष व	केतु व	कुंभ	07:39:34	सूर्य 22/01/2024
शुक्र 12/03/2030	05:57:40	मक	हर्ष व	मक	15:41:38	चन्द्र 23/05/2025
सूर्य 18/07/2030	01:25:58	मक	नेप व	मक	05:53:02	मंगल 29/04/2026
चन्द्र 16/02/2031	06:41:39	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	11:34:36	राहु 22/09/2028

लग्न-चलित

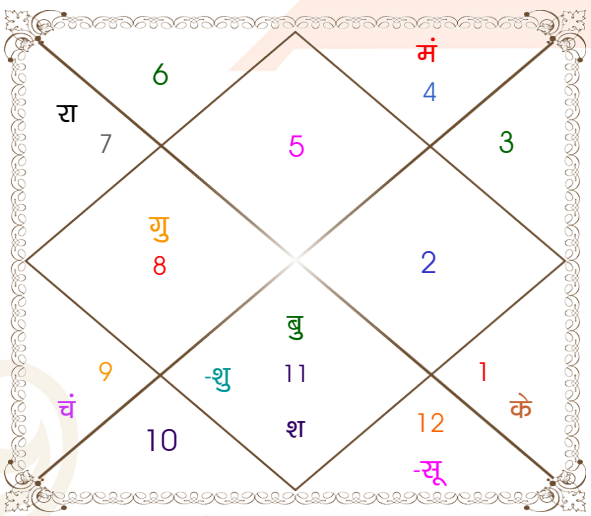

लग्न-चलित

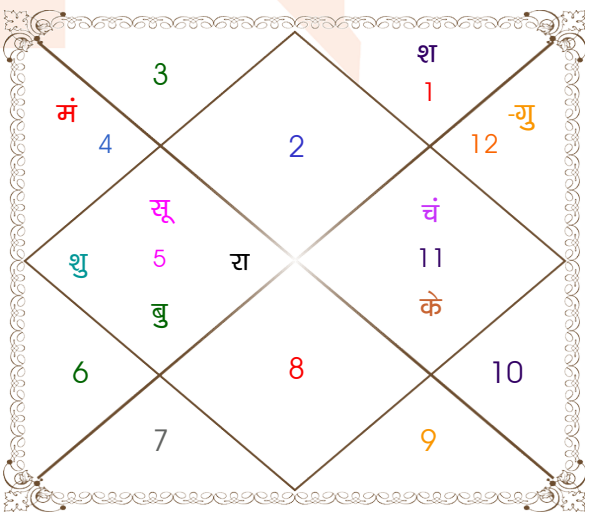

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

डतण्ौतपलंदा का वर्ग सर्प है तथा डेण्नतइीप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ौतपलंदा और डेण्नतइीप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ौतपलंदा मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्ौतपलंदा कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण्ौतपलंदा कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्नतइीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डेॅनतइीप कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेॅनतइीप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ैतपलंदा तथा डेॅनतइीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।